(ग) विशेष निर्यात संवर्धन उपयोग करने के लिए 15 उत्पादों को अभिज्ञात किया गया है ताकि भारतीय माल के निर्यात को विदेशी बाजारों में बढ़ाया जा सके। अन्य अपनाए गए उपायों में शामिल है:—अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों में भागीदारी, व्यापार प्रतिनिधिमंडलों का तेजी से आदान-प्रदान करना, वाणिज्य संगठनों को आवश्यक सूचनाएं मुहैया कराना और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराना, भण्डारण सुविधाओं की स्थापना करना, संयुक्त उद्यमों का संवर्धन करना आदि।

उपभोक्ता वस्तुओं का आयात

4026. **श्री नरेन्द्र मोहन:** क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उपभोक्ता वस्तुओं के आयात पर नियन्त्रण हटाने के लिए सरकार अपनी नीति में क्या संशोधन करने का विचार रखती है;

(ख) देश की अर्थव्यवस्था और उद्योगों पर विलासिता-प्रधान वस्तुओं के आयात का क्या प्रभाव पड़ेगा तथा क्या इस संबंध में सरकार द्वारा कोई विशिष्ट जांच की गयी है; और

(ग) यदि हां, तो उसके क्या निष्कर्ष निकले हैं?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री बोल्ला बुल्ली रमैया): (क) से (ग) निर्यात और आयात नीति की समीक्षा एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है और सम्बंधित प्रशासनिक मंत्रालयों के साथ विचार-विमर्श करके समय-समय पर इसमें परिवर्तन किए जाते हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था और उद्योगों पर प्रभाव सहित अनेक कारकों को ध्यान में रखते हैं।

Growth Rate of Export and Import

4027. SHRI IQBAL SINGH: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) the details of the present growth rate of export and import of the country as on 31st January, 1997; and

(b) the steps being taken by Government to improve the balance of payment of our coutry?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI BOLLA BULI RAMAIAH): (a) As per available DGCIS data, exports and imports during April-January, 1997 have increased in dollar terms by 6.53% and 6.19% respectively over the corresponding period in the previous year.

(b) Increased exports would reflect in the trade balance in the current account of the Balance of Payments. Hence export promotion measures are continuously being taken by the Government through changes in policies and procedures for providing an export friendly environment, involvement of States in export promotion, consultation with Trade & Industry etc.

Producation of Coffee and Tea In Orissa

4028. SHRI RAJ NATH SINGH: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Khandanal and Koraput and other tribal districts of Orissa are conducive for production of good quality of coffee and tea;

(b) if so, the details of Government's initiatives/programmes in this direction to encourage the plantation/growth of coffee and tea in these districts;

(c) whether there is any scheme to encourage the educated unemployed Scheduled Cast and Scheduled Tribe youths for the plantation of the same; and

(d) if so, the details thereof and if not, the reasons thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI BOLLA BULI RAMAIAH): (a) and (b) The district of Koraput, Rayagada, Kalahandi, Gajapathi, Phulbani and Keonjhar in Orissa have been found suitable for growth of coffee and tea.

The Coffee Board is providing the necessary support to all coffee growing States including Orissa in the form of research/extension. The research support for Orissa is provided from Regional